933/923

दैनिक जागरण
पृष्ठ - 15
14-10-2014

किसानों को मिलेगा उन्नत बीज उत्पादन का प्रशिक्षण

गौतम कुमार मिश्रा, नई दिल्ली

पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान किसानों को उन्नत बीज उत्पादन का प्रशिक्षण देगा। इसके लिए वैज्ञानिक देश भर में फैले डाकघर और कृषि विज्ञान केंद्र के नेटवर्क का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए पूसा संस्थान की ओर से व्यापक मॉडल तैयार किया गया है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश व राजस्थान के चुनिंदा क्षेत्रों में चलाई जाएगी।

वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्नत प्रजाति के बीज का इस्तेमाल कर पैदावार में 10 से 15 फीसद वृद्धि की जा सकती है। अधिकांश किसानों को एक तो उन्नत प्रजाति के बीजों की जानकारी नहीं मिल पाती है और यदि जानकारी होती भी है तो बीज का इंतजाम करना बड़ी चुनौती होती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह समस्या दो स्तर पर है। उन्नत बीजों की जानकारी नहीं मिल पाना कृषि तकनीक के प्रसार कार्य की कमी को दर्शाता है, वहीं बीज का नहीं मिलना बाजार से जुड़ी समस्या है। इसके मद्देनजर ध्यान में रखते हुए पूसा संस्थान ने एक मॉडल तैयार किया है।

गौरतलब है कि पूसा संस्थान की ओर से देश के 14 विभिन्न राज्यों के 55 जिलों के चुनिंदा 110 डाकघरों में सीधे उन्नत प्रजाति के बीज भेजे जा रहे हैं। ये बीज किसानों को पोस्टमास्टर के माध्यम से मुफ्त में दिए जाते हैं। किन किसानों को बीज देना है, इसके चयन में पोस्टमास्टर से सलाह ली जाती है।

अब कोशिश है कि किसानों को बीज न भेजकर उन्हें बीज उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जाए। इस मॉडल में डाकघर को एक बार किसी उन्नत बीज का पैकेट भेजा जाएगा। इस बीज से दोबारा बीज उत्पादन का कार्य किसान क्षेत्रीय कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के सहयोग से करेंगे। इस कार्य के लिए किसानों का चुनाव किया जाएगा। किसानों को बीज उत्पादक समूह से जोड़ा जाएगा।

सुनीता गुप्ता
14/10/14
प्रभारी, पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

प्रतिलिपि :-
1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. प्रभारी, पी.पी.आई.
5. प्रभारी, कटैट
6. प्रभारी यू. एस. आई.